INDEX

Sr.No.	Name of the Document	Page No.
1.	Webinars	2-21
2.	Renovation Bill	22

Principal
Guru Nanak College
Killianwali (Sri Muktsar Sahib)

1. Webinars

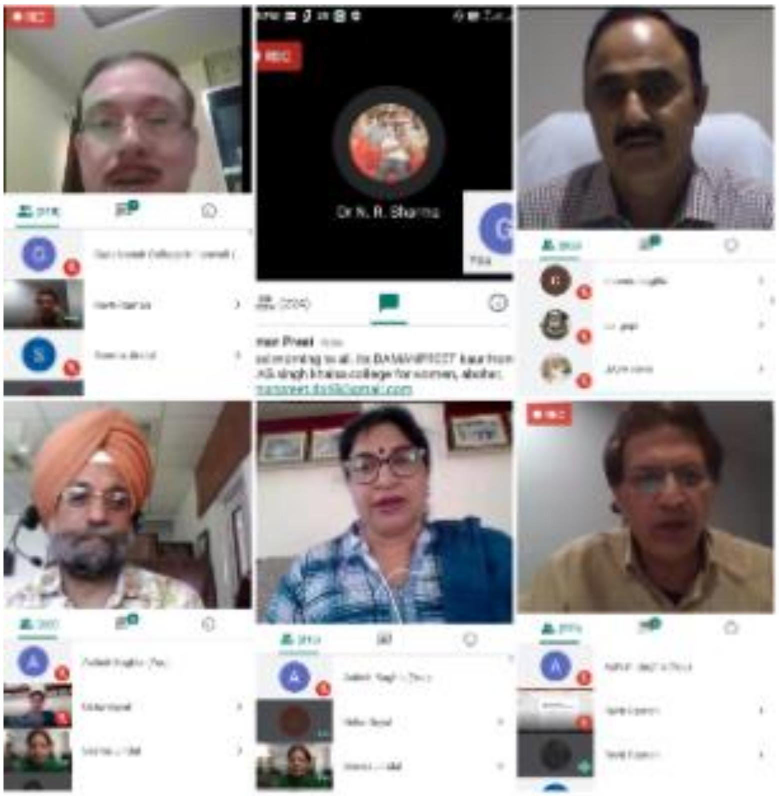

International webinar organised

by Department of Commerce on

Principal
Guru Nanak College
Killianwali (Sri Muktsar Sahib)

गुरू नानक कॉलेज में 'कोविड-19 के मद्देनजर व्यापारिक वातावरण के समक्ष चुनौतियां और आगे का रास्ता' विषय पर वेबीनार आयोजित

डबवाली दर्पण
किलियांवाली। गुरु नानक कॉलेज में मंगलवार को स्नातकोत्तर वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय द्वारा कालेज प्राचार्य डॉ. सुरिन्दर सिंह ठाकुर के दिशा निर्देश में कालेज आईक्यूएसी के सहयोग से एक अंतरराष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया जिसका विषय था 'कोविड-19 के मद्देनजर व्यापारिक वातावरण के समक्ष चुनौतियां और आगे का रास्ता'। इस वेबीनार में पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के रजिस्ट्रार डॉ. करमजीत सिंह ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की, जबकि वशिष्ठ अतिथि के रूप में एसयूएस गुरुहरसहाय के प्राचार्य डॉ. एनआर शर्मा ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। गूगल मीट पर चले इस वेबीनार के कुंजीवत्त वक्ता दे विक्टोरिया यूनिवर्सिटी वेलिंगटन ,न्यूजीलैंड के सीनियर प्रोफ्सर डॉ. रेवती रमन। डीएवी कॉलेज चंडीगढ़ के असिस्टेंट प्रोफेसर सुमित गोकलानी ने रिसोर्स पर्सन के तौर पर इस में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के आरंभ में कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. सुरिन्दर सिंह ठाकुर ने सभी उपस्थित मेहमानों का स्वागत किया। तत्पश्चात कॉमर्स विभागाध्यक्ष मैडम कृपा गोयल ने सभी के सामने मेहमानों का परिचय प्रस्तुत किया एवं आज के वेबीनार के टॉपिक के बारे में संक्षिप्त रोशनी डाली।

कार्यक्रम का विधिवत आरंभ करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. करमजीत ने बताया कि कोविड-19 के कारण यदि कई नई चुनौतियां हमारे समक्ष उपस्थित हुई हैं तो दूसरी तरफ इसने कई नई संभावनाओं की तरफ भी राह खोला है। हमें बदलती स्थितियों के अनुसार अपने आप को बदलना होगा। विशिष्ट अतिथि डॉ एन आर शर्मा ने कोविड-19 के कारण उत्पन्न हुए सामाजिक और आर्थिक विनाशकारी प्रभावों पर चिंता व्यक्त की।

कुंजीवत्त वक्ता डॉ. रेवती रमन ने इस वैश्विक महामारी के नकारात्मक और सकारात्मक दोनों पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने इसे कई विद्वानों के मत में वैश्वीकरण का अंत भी बताया। एक तरफ जहां महामारी के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था लगातार गिरावट की ओर बढ़ रही है वहीं दूसरी तरफ सामाजिक ह्रास भी अपना विकराल रूप हमारे सामने दिखला रहा है वैश्विक संस्थाएं भी इस चिंता में है कि किस तरह लोगों के डूब रहे रोजगार, बंद हो रही कंपनियां, बढ़ती निर्धनता, बेरोजगारी, बढ़ते साइबर अपराध आदि से जल्द से जल्द छुटकारा पाया जाए। कोविड-19 के कारण जो अर्थव्यवस्था में गिरावट आई है उसे उभारने में अभी काफी समय लग जाएगा। स्थानीय वस्तुओं का उपयोग और उत्पादन बढ़ रहा है परंतु इस वैश्विक मुसीबत से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग नितांत आवश्यक है। हमें प्रचलित मीडिया साधनों पर विश्वास करने की बजाए तस्वीर के हर रुख को देखकर कदम उठाना होगा क्योंकि यह महामारी कोई नई नहीं बल्कि नए लक्षणों वाली मुसीबत है। उन्होंने चैट बॉक्स में प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का बड़ी शालीनता एवं धैर्य से उत्तर दिया। रिसोर्स पर्सन के तौर पर अपने व्याख्यान में प्रो. सुमित गोकलानी बताया कि सारी दुनिया इस समय बड़े कठिन दौर से गुजर रही है। भारत के प्रधानमंत्री भी आत्मनिर्भर भारत को लक्ष्य लेकर अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की कोशिश करते हैं ताकि कारोबार पटरी पर लौट सके। तत्पश्चात कालेज प्रबंधन समिति के सचिव नीरज जिंदल ने उपस्थित हुए सभी अतिथियों का तहेदिल से धन्यवाद किया एवं विभाग के इस प्रयास की उन्होंने मुक्त कंठ से प्रशंसा की एवं उन्हें इस अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार की सफलता के लिए बधाई दी। इस अवसर पर मंच संचालन कॉमर्स विभाग की डॉ. सीमा जिंदल द्वारा बखूबी निभाया गया। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए आयोजन समिति ने तकनीकी सहयोग के लिए टैक्निकल टीम सदस्यों गुरविन्दर कौर, प्रो. आशीष बागला एवं प्रो. प्रिंस सिंगला का विशेष तौर पर धन्यवाद किया। इस अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार में लगभग 670 प्रतिभागियों ने गूगल मीट व फेसबुक लाईव के जरिए हिस्सा लिया।

Principal
Guru Nanak College
Killianwali (Sri Muktsar Sahib)

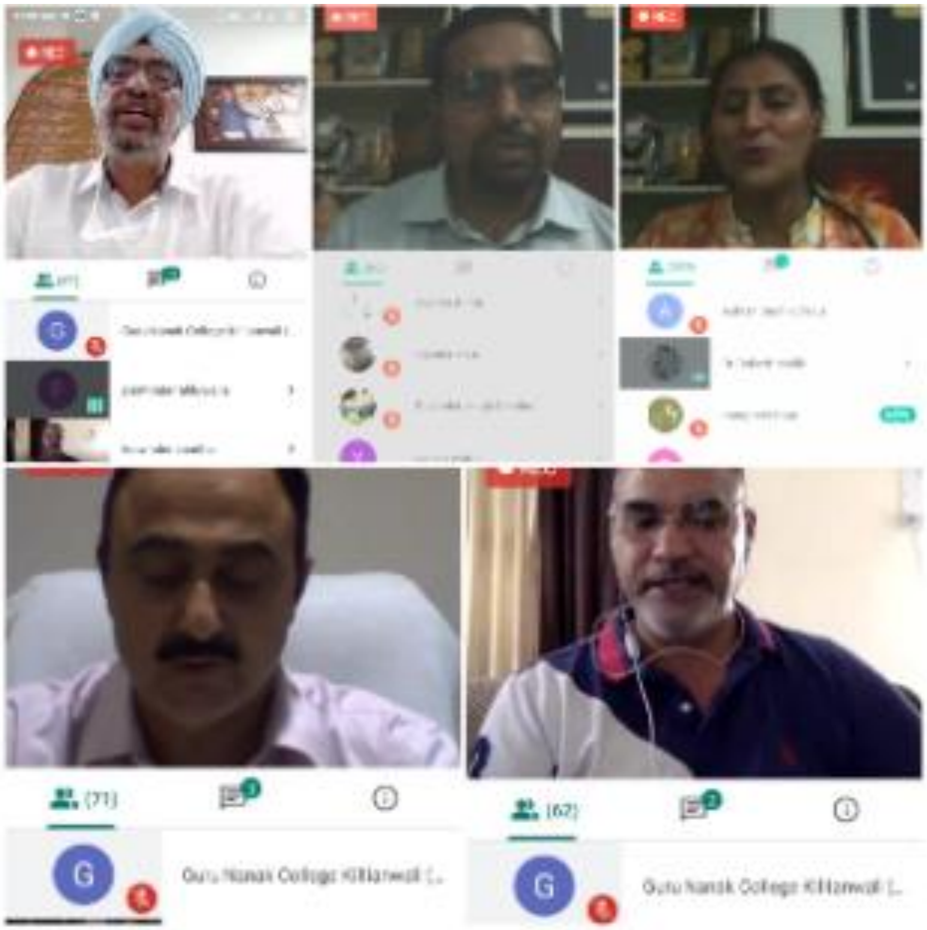

National webinar organised by

Department of Physical Education

on 8th July, 2020

Principal
Guru Nanak College
Killianwali (Sri Muktsar Sahib)

जीएन कालेज में राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित

डबवाली, 8 जुलाई (कृष्ण पलोतरा): किलियांवाली में स्थित गुरु नानक कॉलेज में बुधवार को शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा कॉलेज प्रधानाचार्य डॉ. सुरिन्दर सिंह ठाकुर के कुशल दिशा-निर्देशन में कालेज आईक्यूएसी के सहयोग से एक राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया जिसका विषय था- खेलें : जीवन में परिवर्तन का साधन'। इस वेबीनार में पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के स्पोर्टस विभाग निर्देशक डॉ. परमिंदर सिंह आहलूवालिया ने मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की। गूगल मीट पर चले इस वेबीनार के कुंजीवत्त वक्ता थे डॉ. राकेश मलिक, सह निर्देशक खेल विभाग पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी की फाईन आर्टस की फेलो व डीन डॉ. नीरू मलिक ने रिसोर्स पर्सन के तौर पर इस में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के आरंभ में कॉलेज प्रिंसीपल डॉ. सुरिन्दर सिंह ठाकुर ने सभी उपस्थित मेहमानों का स्वागत किया। उन्होंने वर्तमान संदर्भ में विश्व में खेलों की बढ रही सार्थकता एवं प्रत्येक सरकार द्वारा खेलों को उत्साहित करने के बारे में किए जा रहे प्रयासों की चर्चा की। तत्पश्चात शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष एवं वेबीनार संयोजक डॉ. कुलविंदर सिंह संधू ने सभी के सामने मेहमानों का परिचय प्रस्तुत किया एवं आज के वेबीनार के टॉपिक के बारे में संक्षिप्त रोशनी डाली। वेबीनार का विधिवत आरंभ करते हुए मुख्यातिथि डॉ. परमिंदर सिंह ने सबसे पहले कालेज प्रशासन को बधाई दी जिन्होंने कोविड-19 कोरोना महामारी के इस विकट समय में स्पोर्टस पर वेबीनार का आयोजन किया।

वेबीनार में हिस्सा लेते हुए प्रतिभागी।

तत्पश्चात वेबीनार के अंत में कॉलेज प्रबंधन समिति के सचिव नीरज जिंदल ने उपस्थित हुए सभी अतिथियों का तहेदिल से धन्यवाद किया और शारीरिक शिक्षा विभाग के इस प्रयास की उन्होंने प्रशंसा की। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए आयोजन समिति ने तकनीकी सहयोग के लिए टैक्निकल टीम सदस्यों मैडम गुरबिन्दर कौर, प्रो. आशीष बागला एवं प्रो. प्रिंस सिंगला का विशेष तौर पर धन्यवाद किया। इस राष्ट्रीय वेबीनार में लगभग 242 प्रतिभागियों ने गूगल मीट व फेसबुक लाईव के जरिए हिस्सा लिया।

Principal
Guru Nanak College
Killianwali (Sri Muktsar Sahib)

कोविड-19 कोरोना से आर्थिक संकट पर वेबिनार आयोजित

ड्डवाली, 9 जुलाई (कृष्ण ालोतरा): गुरु नानक कॉलेज ьलियांवाली में कॉलेज प्रधानाचार्य [. सुरिन्दर सिंह ठाकुर के कुशल शा-निर्देशन में कॉलेज ाईक्यूएसी के सहयोग से दो राष्ट्रीय बीनार आयोजित करवाए गए। सुबह र्थशास्त्र विभाग द्वारा एवं बाद पहर इतिहास विभाग द्वारा। र्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित ष्ट्रीय वेबीनार का विषय वस्तु था। ोविड-19 के कारण लगे आर्थिक टके पर परिचर्चा। इस वेबीनार में जाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के कॉलेज वैल्पमैंट कार्उसिल डीन प्रो. संजय ौशिक ने मुख्यातिथि के तौर पर रकत की ।गूगल मीट पर चले इस बीनार के कुंजीवत्त वक्ता थे स्वामी मानंद महाविद्यालय मुकेरियां के सोसिएट प्रोफेसर विक्रम सिंह। सोर्स पर्सन के तौर पर इस में अपनी पस्थिति दर्ज कराई पंजाब निवर्सिटी रीजनल सेंटर लुधियाना विश्वविद्यालय कानून संस्थान में र्थशास्त्र की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जा सिक्का ने। कार्यक्रम के आरंभ में ॉलेज प्रिंसीपल डॉ. सुरिन्दर सिंह ठाकुर ने सभी उपस्थित मेहमानों का स्वागत किया। तत्पश्चात अर्थशास्त्र विभागाध्यक्षा एवं वेबीनार संयोजक मैडम मनप्रीत कौर ने सभी के सामने मेहमानों का परिचय प्रस्तुत किया एवं आज के वेबीनार के टॉपिक के बारे में संक्षिप्त रोशनी डाली।

वेबीनार का आरंभ करते हुए कुंजीवत वक्ता विक्रम सिंह ने आंकड़ों के आधार पर अपनी प्रस्तुति देते हुए दिसंबर 2019 में वुहान से आरंभ हुई इस महामारी के अलग-अलग पड़ावों की चर्चा करते हुए पहले मार्च 2020 में इसके वैश्विक महामारी घोषित किए जाने और आज तक इसके पड़े आर्थिक दुष्प्रभावों की व्याख्या की। तत्पश्चात रिसोर्स पर्सन डॉ. पूजा सिक्का नेअपनी पीपीटी प्रस्तुति के जरिए इस महामारी के आर्थिक और स्वास्थ्य के मोर्चे पर लगे झटकों की विस्तृत चर्चा की और इसके कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में आई गिरावट और लोगों में फैले भय पर प्रकाश डाला। बाद दोपहर शुरू हुए इतिहास विभाग के दूसरे वेबीनार में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थे पंजाब विश्वविद्यालय के कानून विभाग के प्रो. दविन्द्र सिंह, कुंजी वत्त वक्ता विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के एसोसिएट प्रो. डॉ. प्रियतोप शर्मा । रिसोर्स पर्सन की भूमिका निभाई एसपीएन कालेज से इतिहास विभाग की डॉ. अनुराधा ने। कार्यक्रम का आरंभ करते हुए वेबीनार संयोजक इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. प्रवीण कुमार ने आज के वेबीनार की टॉपिक पर संक्षित रोशनी डाली। कालेज प्रिंसीपल डॉ. सुरिन्दर सिंह ठाकुर ने वर्चुअल मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया । डॉ. ठाकुर ने पंजाब को गुरुओं की धरती बताया । उन्होंने बाबा नानक के जीवन वृतांत पर संक्षित रोशनी डाली। मुख्य अतिथि प्रो. देवेंद्र सिंह ने गुरुओं पीरों की इस पावन धरती पर जन्म लेना ही हम सबकी अपनी खुशकिस्मती माना। रिसोर्स पर्सन डॉ. अनुराधा ने बाबा नानक की शिक्षाओं और आदि बुद्ध धर्म की शिक्षाओं में समानताओं पर विस्तारपूर्वक रोशनी डाली। वैबीनार के अंत में डॉ. प्रियतोप शर्मा ने प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का भी बड़ी संजीदगी से जवाब दिया।

Principal
Guru Nanak College
Killianwali (Sri Muktsar Sahib)

National webinar organised by Department of Economics on 9th July, 2020

National webinar organised by Department of History on 9th July, 2020

कोविड महामारी के चलते देश और दुनिया में पैदा हुए आर्थिक संकटः डा.पूजा

वेबीनार में पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल डीन प्रो. संजय कौशिक ने मुख्य अतिथि के तौर पर की शिरक

पल पल न्यूजः डबवाली, 9 जुलाई (अशोक सेठी)। गुरु नानक कॉलेज किलियांवाली में वीरवार को कालेज प्रधानाचार्य डॉ. सुरिंदर सिंह ठाकुर के कुशल दिशा-निर्देशन में कालेज आई . क्यूएसी के सहयोग से दो राष्टीय वेबीनार आयोजित करवाए गए -सुबह अर्थशास्त्र विभाग द्वारा एवं दोपहर को इतिहास विभाग द्वारा। अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार का विषय 'कोविड-19 के कारण लगे आर्थिक झटके पर परिचर्चा' रखा गया था। इस वेबीनार में पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल डीन प्रो. संजय कौशिक ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। गूगल मीट पर चले इस वेबीनार के कुंजीवत्त वक्ता स्वामी प्रेमानंद महाविद्यालय मुकेरियां के एसोसिएट प्रोफेसर विक्रम सिंह थे। रिसोर्स पर्सन के तौर पर इसमें पंजाब यूनिवर्सिटी रीजनल सेंटर लुधियाना के विश्वविद्यालय कानून संस्थान में अर्थशास्त्र की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ . पूजा सिक्का ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। कार्यक्रम के आरंभ में कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. सुरिंदर सिंह ठाकुर ने सभी उपस्थित मेहमानों का स्वागत किया। उन्होंने वर्तमान संदर्भ में कोविड महामारी के कारण देश और दुनिया में पैदा हुए आर्थिक संकट, लोगों को इसके कारण हुई दुश्वारियों एवं सरकार द्वारा इस विकट स्थिति से निपटने के लिए किए जा रहे प्रयासों की चर्चा की। तत्पश्चात अर्थशास्त्र विभागाध्यक्षा एवं वेबीनार संयोजक मनप्रीत कौर ने सभी के सामने मेहमानों का परिचय प्रस्तुत किया एवं वेबीनार के टॉपिक के बारे में संक्षिप्त रोशनी डाली। वेबीनार का आरंभ करते हुए कुंजीवत व[illegible] विक्रम सिंह ने आंकड़ों के आ[illegible] पर अपनी प्रस्तुति देते हुए दिस[illegible] 2019 में वुहान से आरंभ हुई इ[illegible] महामारी के अलग-अलग पड़[illegible] की चर्चा करते हुए पहले मा[illegible] 2020 में इसके वैश्विक महाम[illegible] घोषित किए जाने और आज त[illegible] इसके पड़े आर्थिक दुष्प्रभावों [illegible] व्याख्या की।

National webinar

Principal
Guru Nanak College
Killianwali (Sri Muktsar Sahib)

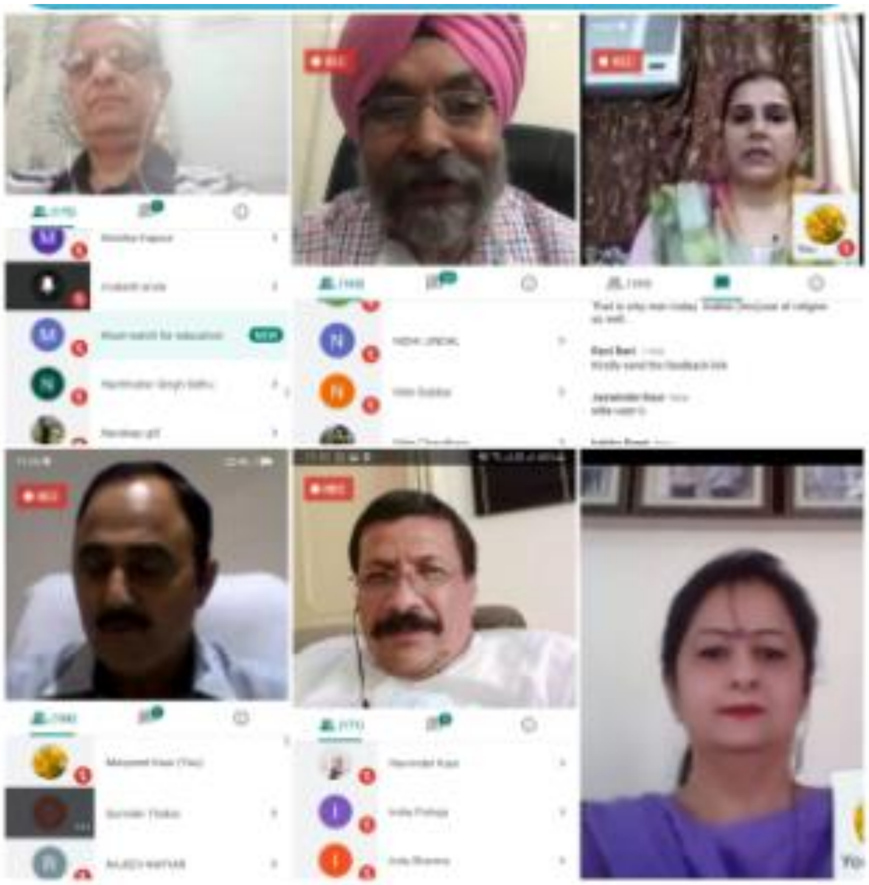

National webinar organised by Department of Punjabi on 10th July, 2020

पब्लिक मंच   शनिवार, 11 जुलाई 2020   02

कॉलेज में पंजाबी विभाग ने 'बदलते दौर में श्री गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाओं का आधुनिक समाज पर प्रभाव' विषय पर करवाया वेबीनार

पब्लिक मंच, डबवाली

गुरु तेग बहादुर जी के 400 वर्षीय प्रकाशपर्व को समर्पित वेबीनारों की श्रृंखला में शुक्रवार को गुरु नानक कॉलेज किलियांवाली में पंजाबी विभाग द्वारा कालेज प्रधानाचार्य डॉ. सुरिन्दर सिंह ठाकुर के कुशल दिशा - निर्देशन में कालेज आई. क्यू.ए.सी. के सहयोग से पांचवाँ राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया जिसका विषय 'बदलते दौर में श्री गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाओं का आधुनिक समाज पर प्रभाव' रखा गया। इस वेबीनार में डॉ मुकेश कुमार अरोड़ा, फेलो, पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। गूगल मीट पर चले इस वेबीनार के कुंजीवत वक्ता पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ से प्रोफेसर गुरपाल सिंह थे। रिसोर्स पर्सन के तौर पर इस में डॉ. परमीत कौर पंजाबी लिटरेरी स्टडीज, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला व एस.डी कॉलेज फॉर विमेन मोगा से असिस्टेंट प्रोफेसर मैडम रमनप्रीत कौर ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम के आरंभ में कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मेजर भूपेंद्र सिंह ढिल्लों ने कहा कि गुरुओं का जीवन एवं उनकी वाणी हमेशा ही मानव समाज के लिए प्रेरणादायी और दिशा दिखाने वाली रही है उपाध्यक्ष सरदार गुरदयाल सिंह ने तेग अर्थात पराक्रम के धनी गुरु तेग बहादुर को हक व सच का प्रतीक बताया। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. सुरिन्दर सिंह ठाकुर ने सभी उपस्थित मेहमानों का स्वागत किया। उन्होंने गुरु जी के जीवन वृतांत पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए सरकार द्वारा इस वर्ष मनाए जा रहे गुरु तेग बहादुर जी के 400 वर्षीय प्रकाश पर्व को समर्पित आज के वेबीनार, वर्तमान संदर्भ में उनकी शिक्षाओं की प्रासंगिकता की चर्चा की। तत्पश्चात पंजाबी विभागाध्यक्ष एवं वेबीनार संयोजक डॉ. सुखनदीप गुरबख्शीश कौर ने सभी के सामने मेहमानों का परिचय प्रस्तुत किया एवं आज के वेबीनार के टॉपिक के बारे में संक्षिप्त रोशनी डाली।

वेबीनार का विधिवत आरंभ करते हुए मुख्यातिथि डॉ.मुकेश अरोड़ा ने कॉलेज को ऐसी महान और पवित्र शख्सियतों पर वेबीनार करवाने के लिए बधाई देते हुए सभी उपस्थित प्रतिभागियों से अपील की कि हम अपने महान गुरुओं की शिक्षाओं को सिर्फ सुने न बल्कि अपने जीवन में भी आत्मसात करें। आज करोना काल में यदि हम गुरवाणी की शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हुए दूसरों के लिए कुछ भी कर पाए तो इस वेबीनार का ध्येय सफल होता है।

कुंजीवत वक्ता डॉ. गुरपाल सिंह ने गुरु तेग बहादुर को हिंद की चादर के साथ-साथ सृष्टि की चादर बताया क्योंकि उनका समस्त मानवता पर उपकार है उन्होंने न भय मानना और न भय किसी को देना, मीरी - पीरी, भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने का महान प्रयोजन एवं अंततः दूसरों के लिए अपने आप को बलिदान के लिए प्रस्तुत करना आदि जैसे महान कार्य किए, इसी के कारण उन्हें आज 400 वर्षों बाद भी हम सब के द्वारा याद किया जा रहा है।

उन्होंने विशेष तौर पर इंगित किया कि दूसरे धर्मों में शहादत स्वर्ग या अच्छे लोक की प्राप्ति के लिए की जाती है, बलिदान या बली अपने देवी-देवता को खुश करने के लिए दी जाती है परंतु गुरु तेग बहादुर जी ने जबर - जुलम से मानवता को बचाने के लिए, दूसरों के हितों की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया और बलिदान की एक नई परंपरा डाली।

रिसोर्स पर्सन डॉ. परमीत कौर ने गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए आज के भौतिकवादी युग में जहां कर्मकांड और पाखंड, उपभोक्तावाद और स्वार्थ बुरी तरह हावी है और हम वर्तमान करोना काल में भी इस अमानवता को देख रहे हैं, वर्तमान संदर्भ में गुरु तेग बहादुर की शहादत और शिक्षाओं को और ज्यादा प्रासंगिक बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि गुरु जी की वाणी हमें अंतिम सत्य तक लेकर जाती है और युगों का सच बयान करती है। प्रसिद्ध इतिहासकार जेएस ग्रेवाल का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि गुरु तेग बहादुर अपने पिता और पुत्र के बीच एक ऐतिहासिक कड़ी थे। विज्ञान हमें ज्ञान दे सकता है आत्मज्ञान नहीं, चीजें दे सकता है पर आत्मबल और आत्मा का सुकून नहीं, यह हमें सिर्फ गुरबाणी से ही मिल सकता है।

इसके पश्चात कॉलेज प्रबंधन समिति के सचिव नीरज सिंगला ने गुरुजी की लासानी शहादत पर विचार प्रकट करते हुए कहा कि गुरु गोविंद सिंह पर सर्वाधिक प्रभाव अपने पिता का ही था जिसने उन्हें सरबंसदानी बनाया कोषाध्यक्ष स.अमरवीर सिंह बाबा ने गुरु तेग बहादुर की शहादत को नमन करते हुए बताया कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब में गुरु तेग बहादुर जी के 59 शब्द 57 श्लोक दर्ज हैं।

तत्पश्चात आज के वेबीनार के अंत में कालेज आई.क्यू.ए.सी. कॉर्डिनेटर डॉ. भारत भूषण ने उपस्थित हुए सभी अतिथियों का तहेदिल से धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए आयोजन समिति ने तकनीकी सहयोग के लिए टैक्निकल टीम सदस्यों का विशेष तौर पर धन्यवाद किया। इस राष्ट्रीय वेबीनार में लगभग 376 प्रतिभागियों ने गूगल मीट व फेसबुक लाईव के जरिए हिस्सा लिया।

रामबाग में स्थापित करवाए दो वाटर कूलर

Principal
Guru Nanak College
Killianwali (Sri Muktsar Sahib)

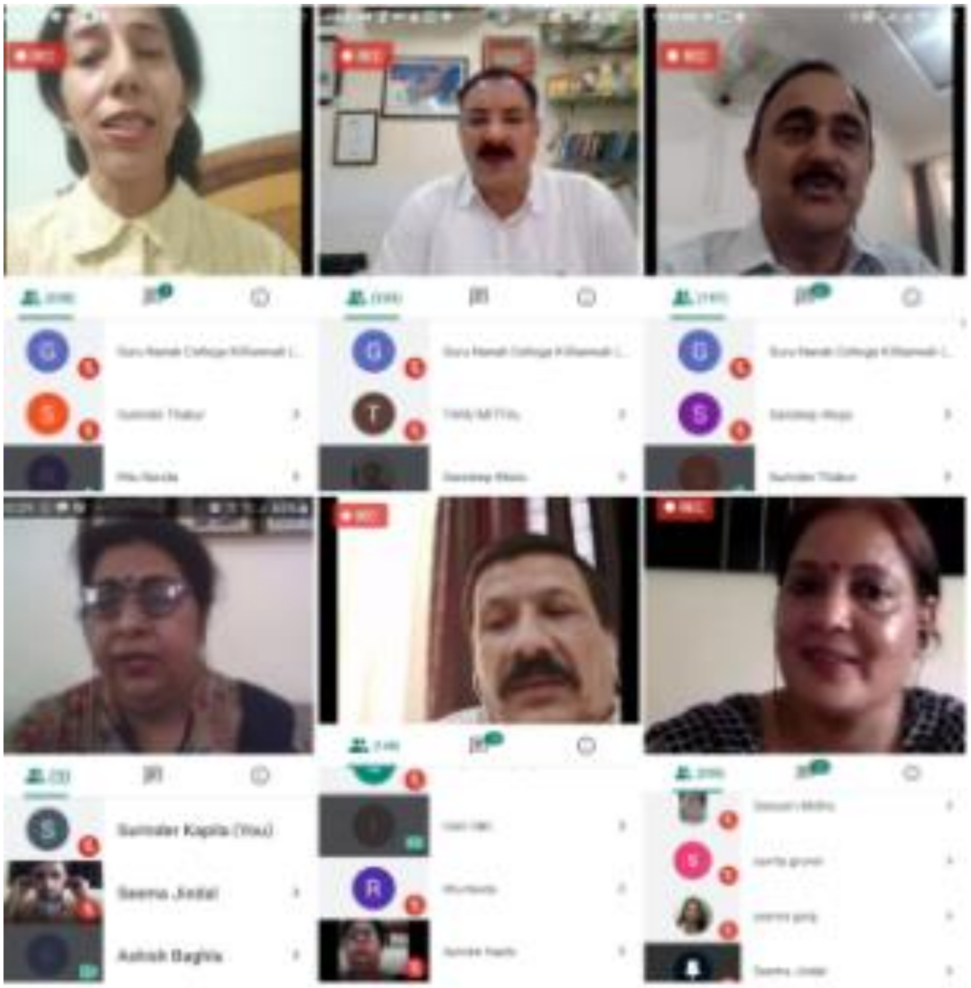

National webinar organised by Women Cell on 11th July, 2020

घरेलू हिंसा व मानसिक स्वास्थ्य को लेकर गुरू नानक कॉलेज में वेबीनार आयोजित

डबवाली (लहू की लौ) गुरु तेग बहादुर जी के 400 वर्षीय प्रकाशपर्व को समर्पित वेबीनारों की श्रृंखला में आज गुरु नानक कॉलेज किलियांवाली में आंतरिक शिकायत निवारण विमेन सेल द्वारा कालेज प्रधानाचार्य डॉ. सुरिन्दर सिंह ठाकुर के कुशल दिशा - निर्देशन में कालेज आई . क्यू.ए .सी . के सहयोग से छठे राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया जिसका विषय वस्तु था- घरेलू हिंसा व मानसिक स्वास्थ्य । इस वेबीनार में डॉ रूपम जगोता, असिस्टेंट प्रोफेसर फैकल्टी ऑफ लॉ, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी रीजनल सेंटर, जालंधर ने कुंजीवत वक्ता के तौर पर शिरकत की । गूगल मीट पर चले इस वेबीनार के रिसोर्स पर्सन थे डॉक्टर संदीप भोला (एम. डी.) कंसलटेंट साइकैटरिस्ट, सिविल हॉस्पिटल, कपूरथला।

सह -संयोजक डॉ . सीमा जिंदल ने वेबीनार का आरंभ करते हुए आज के कार्यक्रम के कुंजीवत वक्ता और रिसोर्स पर्सन का परिचय सभी के सामने प्रस्तुत किया। वेबीनार संयोजक मैडम सुरेंदर कपिला ने वेबीनार के टॉपिक पर संक्षिप्त रोशनी डाली।

कार्यक्रम के आरंभ में कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मेजर भूपेंद्र सिंह ढिल्लों ने कहा कि विश्व के देशों में स्त्रियां ही आमतौर पर घरेलू हिंसा का अधिकतर शिकार होती हैं जिसके कारण इस वेबीनार जैसे प्रयासों के जरिए उनमें जागरूकता पैदा करने की कोशिश की जा रही है।

उपाध्यक्ष गुरदयाल सिंह ने प्राचीन भारतीय ग्रंथों का हवाला देते हुए कहा कि जहां नारी की कद्र होती है वहीं देवता बसते हैं, इसीलिए उन्हें इस घरेलू हिंसा की मानसिक प्रताड़ना से बचाना बहुत जरूरी है। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. सुरिन्दर सिंह ठाकुर ने सभी उपस्थित मेहमानों का स्वागत किया। उन्होंने सरकार द्वारा इस वर्ष मनाए जा रहे गुरु तेग बहादुर जी के 400 वर्षीय प्रकाश पर्व को समर्पित आज के छठे वेबीनार के बारे में बोलते हुए कहा कि हिंसा कहीं भी, किसी भी देश में उत्पन्न हो सकती है। प्रत्येक धर्म, संप्रदाय, संस्कृति में घरेलू हिंसा की समस्या आम तौर पर देखने को मिलती है, इसका प्रताड़ित स्त्री और उसके परिवार विशेष करके बच्चों पर मानसिक तौर पर बड़ा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जिस को शीघ्र अति शीघ्र दूर करने की जरूरत है।

कुंजीवत वक्ता डॉ. जगोता ने अपने वक्तव्य का आधार स्त्रियों के पक्ष में बने अलग-अलग कानूनों को बनाते हुए मुख्य तौर पर अपना व्याख्यान 2005 में बने एवं 2006 में लागू हुए स्त्री सुरक्षा एक्ट पर केंद्रित किया । यह कानून शादीशुदा स्त्री या लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही स्त्री दोनों को अपने दायरे में लेता है। उन्होंने माना कि घरेलू हिंसा कोई आज के समय में उभरी नई प्रवृत्ति नहीं है बल्कि सदियों पुरानी प्रवृत्ति है। हमारे पुरुष

प्रधान समाज में स्त्री को प्रताड़ित करना प्राकृतिक और आम माना जाता है। मार्च 2020 से जब से लॉकडाउन लगा है तब से सारी दुनिया में घरेलू हिंसा के बहुत केस उभर कर सामने आने लगे हैं। हमारा संविधान व संयुक्त राष्ट्र संघ का चार्टर स्त्री -पुरुष समानता की बात करता है पर लगता है कि यह सिर्फ कागजों में ही है। आजकल तो लॉकडाउन के कारण अपनी नौकरी खो जाने या वर्क फ्रॉम होम मेंटेन ना कर पाने से तनावग्रस्त पुरुषों द्वारा अपनी पत्नियों को पीटे जाने की खबरें समाचार पत्रों में पढ़ने को मिल रही हैं। हमारे समाज की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि हमारी अधिकतर स्त्रियां आज भी इसके बारे में खुल कर बोलती नहीं या कानून का सहारा नहीं लेतीं। नारी सुरक्षा कानून आई.पी.सी. की धारा 498ए एवं सीआरपीसी की धारा 125 का सहारा लेकर स्त्रियां पुरुषों द्वारा किए जा रहे शारीरिक, लैंगिक, आर्थिक, मानसिक भावनात्मक हिंसा से अपने आप को बचा सकती हैं। इस वेबीनार का प्रयोजन स्त्रियों को उनके इस कानूनी अधिकार के बारे में जागरूक करना है।

रिसोर्स पर्सन डॉक्टर संदीप भोला ने अपने वक्तव्य की शुरुआत ही स्वास्थ्य की परिभाषा से की। उनके अनुसार हम आमतौर पर किसी बीमारी का ना होना स्वास्थ्य की निशानी मान लेते हैं, पर यह अधूरी परिभाषा है। स्वास्थ्य का पूरा मतलब है कंपलीट वेल -बींग अर्थात् संपूर्ण सामाजिक, शारीरिक और मानसिक हालचाल का ठीक होना। इसमें मानसिक स्वास्थ्य सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। यदि इंसान मानसिक तौर पर स्वस्थ नहीं है तो उसका शारीरिक और सामाजिक स्वास्थ्य भी अवश्य दांव पर लगेगा। मानसिक अस्वस्थता के दो रूप देखने को मिलते हैं -मानसिक बीमारी एवं मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक तनाव के कारण उत्पन्न व्याधियां एवं नशा प्रवृत्ति की तरफ बढ़ते कदम। उन्होंने जोर देकर कहा कि घरेलू हिंसा जैसी सामाजिक बुराई को केवल कानून के जरिये ही नहीं बल्कि सभी के सांझे प्रयासों एवं जागरूकता से ही र[...] किया जा सकता है। दोनों मुख[...] वक्ताओं ने बड़ी संजीदगी [...] प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं व[...] भी शांत किया।

इसके पश्चात कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव नीरज जिंद[...] ने विचार प्रकट करते हुए क[...] कि कोविड-19 महामारी [...] चलते जब सारी दुनिया [...] लॉकडाउन लगा तो घरेलू हि[...] के अधिक केस सामने आ[...] लगे, यह अत्यंत चिंताजन[...] तस्वीर है। कोषाध्यक्ष अमरदे[...] सिंह बाबा ने हुए बताया कि स[...] दो परिवारों एवं समाज व[...] कर्णधार होती है, इसलिए उ[...] इस अलामत से बचाया जा[...] नितांत आवश्यक है।

तत्पश्चात आज के वेबीनार [...] अंत में कालेज आई.क्यू.ए.सी. कार्डिनेटर डॉ. भारत भूषण [...] उपस्थित हुए सभी अतिथियों [...] तहेदिल से धन्यवाद किया। इ[...] कार्यक्रम को सफलतापूर्व[...] आयोजित करने के लि[...] आयोजन समिति ने तकनीक[...] सहयोग के लिए टैक्निकल टी[...] सदस्यों का विशेष तौर प[...] धन्यवाद किया।

इस राष्ट्रीय वेबीनार में लगभ[...] 381 प्रतिभागियों ने गूगल मी[...] व फेसबुक लाईव के जरि[...] हिस्सा लिया।

Principal
Guru Nanak College
Killianwali (Sri Muktsar Sahib)

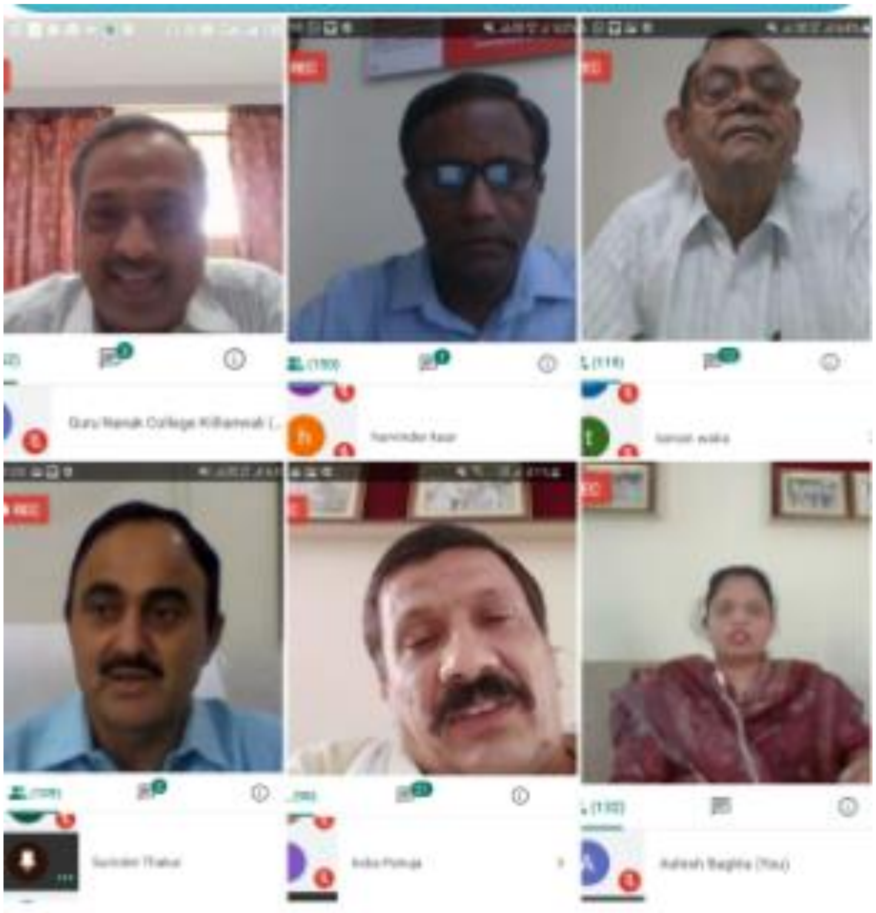

National webinar organised by

Department of Mathematics on

13th July, 2020

STRIVE SEEK SERVE
Estd. 1956

GURU NANAK COLLEGE

Postgraduate Multi Faculty Premier College
KILLIANWALI, DISTT. SRI MUKTSAR SAHIB (Pb.) - 151211
NAAC Accredited Grade "B"

Recognized by U.G.C. Under Section 2 (f) & 12 (B) & Permanently Affiliated to Panjab University Chandigarh

'उद्योग प्रणाली के लिए गणितीय मॉडल

गुरु तेग बहादुर जी के 400 वर्षीय प्रकाशपर्व को समर्पित वेबीनारों की श्रृंखला में सातवें राष्ट्रीय वेबीनार का आयो

डबवाली केसरी।

गुरु तेग बहादुर जी के 400 वर्षीय प्रकाशपर्व को समर्पित वेबीनारों की श्रृंखला में गुरु नानक कॉलेज किलियांवाली द्वारा कालेज प्रधानाचार्य डॉ. सुरिन्दर सिंह ठकुर के कुशल दिशा-निर्देशन में कालेज आईक्यूएसी के सहयोग से गणित विभाग द्वारा सातवें राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। जिसका विषय वस्तु 'उद्योग प्रणाली के लिए गणितीय मॉडल' था। इस वेबीनार में पंजाब विश्वविद्यालय के गणित विभाग से प्रो. सुशील कुमार तोमर (D.S.W) ने मुख्य अतिथि के तौर पर एवं महर्षि मार्कंड येश्वर डीम्डटूबी यूनिवर्सिटी मुलाना, अंबाला के गणित विभाग से प्रो. दीपक गुप्ता ने कुंजीवत वक्ता के तौर पर शिरकत की। गूगल मीट पर चले इस वेबीनार के रिसोर्स पर्सन प्रो. टीपी शर्मा, गणित विभाग बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी, रोहतक थे।

वेबीनार का आरंभ करते हुए वेबीनार संयोजक गणित विभागाध्यक्ष डॉ. पायल सिंगला ने कुंजीवत वक्ता और रिसोर्स पर्सन का परिचय सभी के सामने प्रस्तुत किया एवं वेबीनार के टॉपिक पर संक्षिप्त रोशनी डाली। कार्यक्रम के आरंभ में कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मेजर भूपेंद्र सिंह ढिल्लों ने कहा कि गणित आज प्रत्येक क्षेत्र में नितांत आवश्यक व उपयोगी विषय बन चुका है। उपाध्यक्ष सरदार गुरदयाल सिंह ने कहा कि पहले विद्यार्थी गणित को काफी कठिन मानते हुए इससे पीछे हटता था पर अद्यतन समय में इस विषय के ज्ञान के बिना हमारा बिल्कुल गुजारा नहीं। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. सुरिन्दर सिंह ठकुर ने सभी उपस्थित मेहमानों का स्वागत किया। उन्होंने सरकार द्वारा इस वर्ष मनाए जा रहे गुरु तेग बहादुर जी के 400वर्षीय प्रकाश पर्व को समर्पित आज के सातवें वेबीनार के बारे में बोलते हुए कहा कि इंडस्ट्रियल मैथमेटिक्स अप्लाइड मैथ्स की एक शाखा है जो उद्योगों की तरफ से आ रही तकनीकी समस्याओं और उनके समाधान के साथ अपने आपको जोड़ता है।

मुख्यातिथि ने वेबीनार का विधिवत आरंभ करते हुए बुलंद शब्दों में कहा कि आज हम सभी अपने दैनिक जीवन में जाने-अनजाने गणित और गणना का प्रयोग कर रहे हैं। आज के युग में सब कुछ डिजिटलाइज्ड है जोकि गणित के कारण ही संभव और सफल है। 0 एवं 1 की बाईनरी भाषा ने इस डिजीटलीकरण को हमारी दैनिक दिनचर्या में अनिवार्य व विश्वसनीय बना दिया है। आज यदि हम मोबाइल फोन के जरिए दुनियां के किसी भी कोने में बैठे अपने किसी प्रियजन से बात करना चाहते हैं तो हमें अपने फोन के ऊपर डिजिट्स के बटन दबाने पड़ते हैं। यहां तक कि आज के वेबीनार में ज्वाइन करने के लिए भी हमें विशेष लिंक कोड का ही सहारा लेना पड़ा। सारी दुनियां आज कोविड-19 की दवा/ इंजेक्शन बनाने में प्रयासरत है, यह भी किसी मरीज को कितना और कितने अंतराल बाद देना है इसमें भी गणितीय गणना अत्यंत महत्वपूर्ण है, तभी मरीज का ठीक इलाज संभव हो पाएगा। गणितीय गणना थोड़ी सी भी गलत हुई तो काम का बिगड़ना निश्चित है।

कुंजीवत वक्ता डॉ. दीपक गुप्ता ने अपने वक्तव्य में कहा कि पुरातन समय में गणित को एक बहुत ही कठिन और उबाऊ विषय माना जाता था और आम लोगों का मानना था कि वास्तविक जिंदगी के साथ इसका कोई लेना-देना नहीं। परंतु वास्तविक समय में कोई ऐसा क्षेत्र नहीं जो गणित के प्रभाव से अछूता हो। पहले तो केवल ऊर्जा, मौसम विभाग, खदान, टेलीकॉम आदि क्षेत्रों में इस विषय का प्रयोग किया जाता था परंतु आज मीडिया, फूड, स्पोर्ट्स, मनोरंजन आदि सभी क्षेत्र इस विषय का प्रयोग कर रहे हैं और इससे उनकी उत्पादकता, प्रभावशीलता एवं परिणाम-कुशलता बढ़ रही है। उन्होंने स्लाइड प्रेजेंटेशन के जरिए 1954 में एसएम जॉनसन द्वारा विकसित द्वि- चरणीय इंडस्ट्रियल मॉडल की विस्तारपूर्वक व्याख्या की। रिसोर्स पर्सन डॉ. टीपी सिंह ने स्वीकार किया कि केवल हमारे देश भारत में ही नहीं बल्कि समस्त विश्व में विद्यार्थियों के लिए गणित हमेशा ही उलझन भरी टेढ़ी खीर रहा है। आज की दुनिया में तो विश्वास व भावनाओं को भी गणितीय गणना में प्रस्तुत करने की कोशिश की जा रही है। वास्तव में आज कोई भी विषय अकेला नहीं चल सकता इसीलिए आज हर विषय को अपने आप को आधुनिक समयपरक व विश्वसनीय बनाने के लिए गणित की आवश्यकता है। इसलिए इस विषय में रुचि पैदा करना समय के साथ कदम मिला कर चलने के लिए अत्यन्त आवश्यक है। आज 21वीं सदी में औद्योगिक क्षेत्र में गणित का महत्व बढ़ता जा रहा है क्योंकि इससे एक तो उत्पादन की लागत घटती है, उत्पादन बढ़ता है एवं अंततः इससे लाभ में वृद्धि होती है। उन्होंने भी स्लाइड प्रेजेंटेशन के जरिए ऑपरेशनल रिसर्च की समस्याओं पर रौशनी डाली। आने वाला समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है जिसके कारण गणित का महत्व और दायरा हमारे दैनिक जीवन में और बढ़ेगा। हमें विशेष तौर पर ध्यान रखना होगा कि गणित जिसका महत्व मानव जा लिए हमेशा ही काफी अधि है, इस विषय के विशेषज्ञ रिसर्च को लाजिमी तौर पर व समस्त मानवता के उपयोगी बनाएं।

इसके पश्चात कॉलेज समिति के सचिव नीरज वि विचार प्रकट करते हुए क आज का युग अंतः- विषया का युग है जिसमें प्रत्येक एक-दूसरे के साथ बड़े गह जुड़ा हुआ है। कोषाध्य अमरवीर सिंह बाण्या ने बत आज का वेबीनार मुख्य इस विषय पर प्रकाश डाल कैसे गणित उद्योग जगत पर प्रभाव डालता है।

तत्पश्चात आज के वेबी अंत में कालेज आई कार्डिनेटर डॉ. भारत भू उपस्थित हुए सभी अतिथि तहेदिल से धन्यवाद किए कार्यक्रम को सफलता आयोजित करने के लिए अ समिति ने तकनीकी सह लिए टैक्निकल टीम सदस् विशेष तौर पर धन्यवाद किए राष्ट्रीय वेबीनार में लगभग प्रतिभागियों ने गूगल मी फेसबुक लाईव के जरिए लिया।

Principal
Guru Nanak College
Killianwali (Sri Muktsar Sahib)

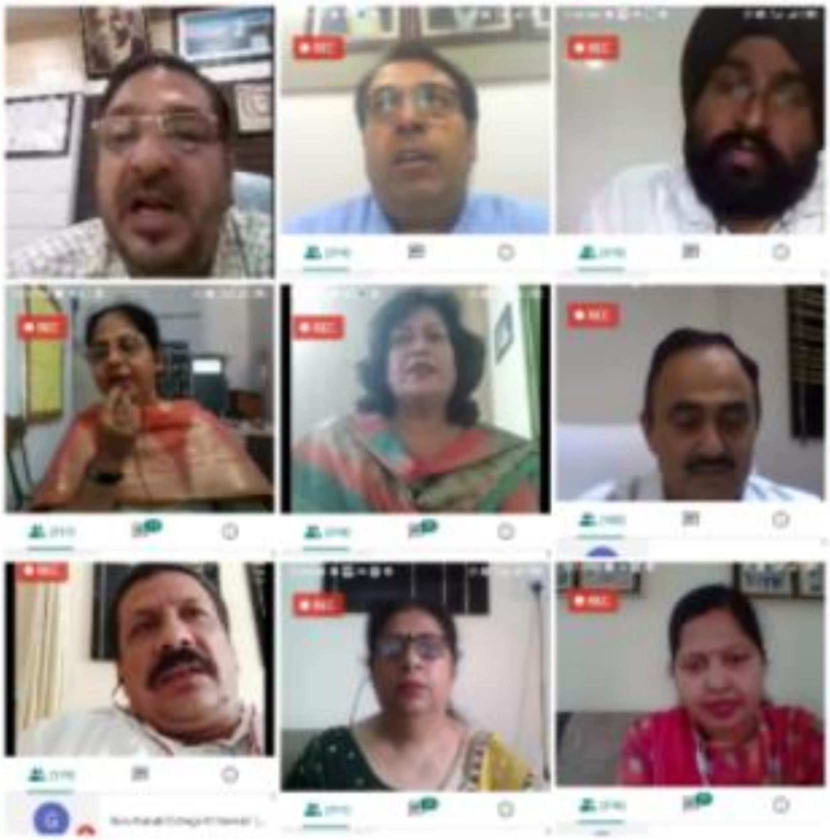

National webinar organised by Department of English on 15th July, 2020

'ऑनलाइन कक्षाओं में विद्यार्थियों की सहूलियत, चुनौतियां व अवसर' विषय पर राष्ट्रीय बेवीनार आयोजित

डबवाली केसरी। गुरु तेग बहादुर जी के 400 वर्षीय प्रकाशपर्व को समर्पित वेबीनारों की श्रृंखला में बुधवार को गुरु नानक कॉलेज किलियांवाली द्वारा कालेज प्रधानाचार्य डॉ. सुरिन्दर सिंह ठाकुर के कुशल दिशा-निर्देशन में कालेज आईक्यूएसी के सहयोग से आठवें राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। जिसका विषय वस्तु 'ऑनलाइन कक्षाओं में विद्यार्थियों की सहूलियत, चुनौतियां व अवसर' था। इस वेबीनार में डॉ आरएस झांजी, प्रिंसिपल एएस कालेज, खन्ना मुख्य अतिथि, डॉ. दिनेश शर्मा, प्रिंसिपल आरएसडी कॉलेज, फिरोजपुर में विशिष्ट अतिथि, डॉ. जसपाल सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर जीजीडीएसडी कॉलेज हरियाणा, होशियारपुर ने कुंजीवत वक्ता के तौर पर शिरकत की। गूगल मीट पर चले इस वेबीनार के रिसोर्स पर्सन डॉ. पूजा वशिष्ठ, एसोसिएट प्रोफेसर, डीएवी कॉलेज होशियारपुर एवं डॉ. भारती सेठी, एसोसिएट प्रोफेसर, गवर्नमेंट कॉलेज होशियारपुर थे।

वेबीनार का आरंभ करते हुए अंग्रेजी विभाग के मैडम गैलेक्सी गुप्ता ने आज के कार्यक्रम के कुंजीवत वक्ता और रिसोर्स पर्सन का परिचय सभी के सामने प्रस्तुत किया। वेबीनार संयोजक मैडम सुरिन्द्र कपिला ने वेबीनार के टॉपिक पर संक्षिप्त रोशनी डाली।

कार्यक्रम के आरंभ में कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मेजर भूपेंद्र सिंह ढिल्लों ने कहा कि कोविड-19 ने हमें शिक्षा की एक नई प्रवृत्ति की तरफ से आवृत्त कर दिया है। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. सुरिन्दर सिंह ठाकुर ने सभी उपस्थित मेहमानों का स्वागत किया। उन्होंने सरकार द्वारा इस वर्ष मनाए जा रहे गुरु तेग बहादुर जी के 400 वर्षीय प्रकाश पर्व को समर्पित आज के आठवें वेबीनार के बारे में बोलते हुए कहा कि कोविड महामारी हमारी प्रचलित शिक्षा प्रणाली के लिए नई तरह के अवसर और चुनौतियां लेकर आई है। विगत दिवस 14 जुलाई को हमारी एचआरडी मिनिस्ट्री ने भी ऑनलाइन स्टडी के बारे में नई गाइडलाइंस जारी की है।

मुख्य अतिथि डॉ. झां जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि कोविड-19 की स्थिति ने हमें एकदम नई स्थिति में ला खड़ा किया है। ई-एजुकेशन आज नए ट्रेंड के तौर पर हमारे सामने है। यह नौजवान पीढ़ी को पसंद भी है और इसकी लागत भी कम पड़ती है। हमें वर्तमान समय की नजाकत को देखते हुए अपनी शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए इसे अपनाना ही होगा। विशिष्ट अतिथि डॉ. दिनेश शर्मा ने अपने तर्क देते हुए कहा कि शिक्षा की प्रचलित चॉक और टॉक की पुरातन विधि को इस ऑनलाइन शिक्षा ने एक नई चुनौती पेश कर दी है। क्योंकि आवश्यकता ही आविष्कार की जननी होती है इसलिए हमें इस उत्पन्न हुई चुनौती को सकारात्मक अवसर के रूप में लेना होगा।

कुंजीवत वक्ता डॉ. जसपाल सिंह ने अपने वक्तव्य के आंकड़ों पर आधारित प्रस्तुति देते हुए कहा कि कोविड-19 के कारण क्लासरूम शिक्षा सारी दुनिया में लगभग ठप्प होकर रह गई है। ऑनलाइन शिक्षा का प्रचलन बहुत बढ़ गया है। हमारी एमएचआरडी द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार पिछले 4 महीनों में ई-कंटेंट की सर्च इंटरनेट पर 5 गुना बढ़ गई है। सरकार ने भी स्वयंप्रभा, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी, ई-ज्ञान कोर्स, दीक्षा, ज्ञान वाणी, ई-पाठशाला, ई-शोध सिंधु जैसे प्लेटफार्म विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए उपलब्ध कराए हैं और दूसरी तरफ हमारे सामने बाईजूस, अनअकैडमी, वेदान्तु जैसे प्राइवेट प्लेयर भी ऑनलाइन शिक्षा के प्लेटफार्म के रूप में उभर कर सामने आए हैं। भारत में हमारे लिए मुख्य दिक्कत है डिजिटल डिवाइड। हमारे बहुत सारे विद्यार्थी जो कि ग्रामीण अंचल से है और गरीब श्रेणी से संबंध रखते हैं, उनके पास स्मार्टफोन, इंटरनेट एक्सेस नहीं है इसलिए उनको रातों-रात ऑनलाइन कक्षाओं की तरफ आवृत करना एक बहुत बड़ी चुनौती है। शिक्षकों को भी इसके लिए अभी ट्रेनिंग देने की जरूरत

है। उन्होंने डाटा प्राइवेसी, अधिकतर मटेरियल का अंग्रेजी में होना, विज्ञान जैसे विषयों की प्रैक्टिकल पार्ट का ऑनलाइन न कराया जा पाना और बच्चों को आ रही मनोवैज्ञानिक समस्याओं आदि पर विस्तृत चर्चा की एवं इनके समाधान के लिए अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए।

रिसोर्स पर्सन डॉ. पूजा वशिष्ठ ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि चाहे वर्तमान परिस्थितियां हमें ऑनलाइन शिक्षा की तरफ प्रवृत्त कर रही है, परंतु यह उस प्रचलित शिक्षा विधा की जगह नहीं ले सकती जिसमें विद्यार्थी शिक्षक के सामने क्लास में बैठा है, उन दोनों के बीच एक भावनात्मक संबंध है, विद्यार्थी अपनी बातें क्लास में एक दूसरे के साथ शेयर करते हैं, अनुशासन में रहते हैं, उनमें सकारात्मक प्रतियोगिता होती है, अध्यापक भी उन पर पूरी नजर रखता है और उनके हाव-भाव का लगातार विश्लेषण करते हुए अपनी पढ़ाने की विधि बदलता रहता है। इस मानवीय संवेदना की ऑनलाइन शिक्षा में कमी काफी खटकती है। परंतु यदि वर्तमान परिस्थिति ने हमारे सामने चुनौती पेश की ही है तो हमें उसके सामने डटकर खड़े होना होगा और शिक्षक को अपने आपको ऑनलाइन कक्षाओं के लिए अपग्रेड करना होगा।

दूसरी रिसोर्स पर्सन डॉ. भारती सेठी ने कहा कि प्रत्येक कठिनाई हमारे सामने नए अवसरों का द्वार खोलती है इसलिए हमें अपने पुरातन विचारों एवं विधाओं की चारदीवारी से बाहर आते हुए नए विचारों और विधाओं को अपनाना होगा। ऑनलाइन शिक्षा में बच्चे का हॉस्टल का, आने-जाने का, बाहर खाने-पीने का, एजुकेशन लोन का काफी खर्च बच जाता है। जो बड़ी उम्र के लोग शर्म एवं झिझक के मारे क्लासरूम शिक्षा नहीं लेना चाहते, उनके लिए भी यह सुविधाजनक है। इन ऑनलाइन कक्षाओं में कोई भेदभाव नहीं एवं कक्षा बंक करने वालों के लिए भी इसमें कोई जगह नहीं, हर एक की गुणता बनी रहती है परंतु इन सारे लाभों के बावजूद भी विद्यार्थी की लिखने की आदत का कमजोर होते जाना, ग्रामर और प्रैक्टिकल पार्ट की कमी होते जाना, स्कूल और कॉलेज में उपलब्ध लाइब्रेरी लैब्स और रीडिंग रूम के लाभ से वंचित होना, कंप्यूटर, हाईटेक गैजेट और इंटरनेट पर बढ़ता खर्च, और इसके जरिए की गई पढ़ाई की मान्यता आदि इसकी बहुत सारी कमियां भी है।

इसके पश्चात कॉलेज प्रबंधन समिति के सचिव नीरज जिंदल ने विचार प्रकट करते हुए कहा कि चाहे प्रचलन आनलाईन शिक्षा का बढ़ता जा रहा है परंतु यह क्लासरूम शिक्षा का विकल्प नहीं बन सकती, यह केवल उसके सहायक के तौर पर चल सकती है। समस्त व्याख्यानों के पश्चात कुंजीवत वक्ता डॉ. जसपाल ने बड़ी संजीदगी से प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं को भी शांत किया।

तत्पश्चात आज के वेबीनार के अंत में कालेज आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ. भारत भूषण ने उपस्थित हुए सभी अतिथियों का तहेदिल से धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए आयोजन समिति ने तकनीकी सहयोग के लिए टैक्निकल टीम के सदस्यों का विशेष तौर पर धन्यवाद किया। इस राष्ट्रीय वेबीनार में लगभग 397 प्रतिभागियों ने गूगल मीट व फेसबुक लाईव के जरिए हिस्सा लिया।

=> National webinar organised by Deptt. of English on 15 July 2020

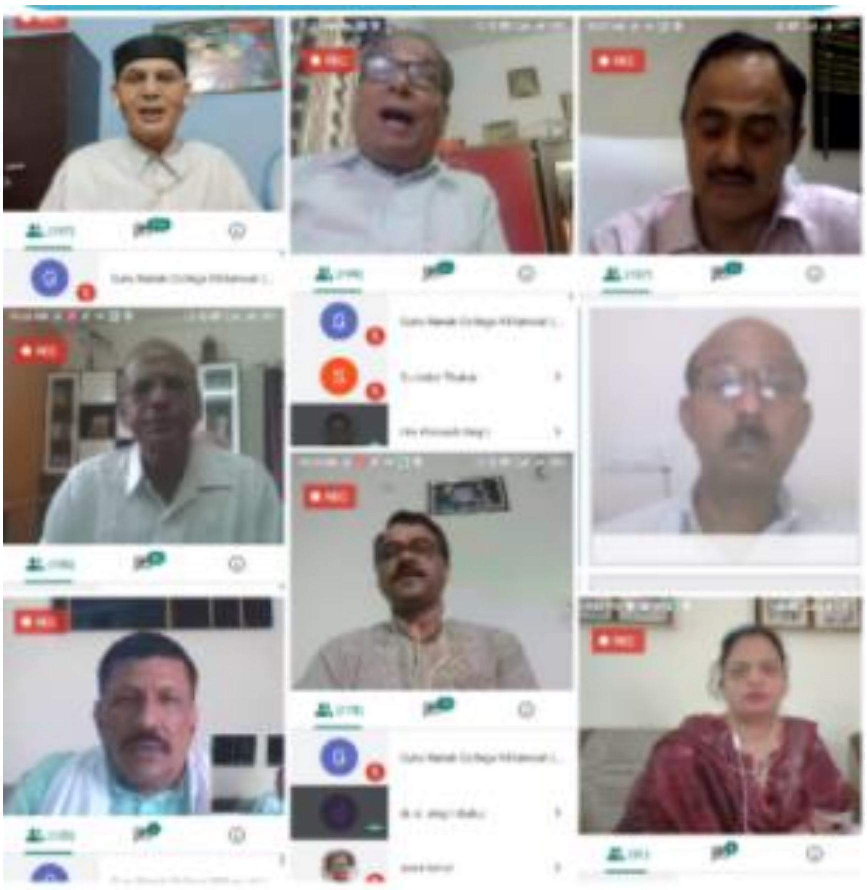

National webinar organised by IQAC on 17th July, 2020

पब्लिक मंच　　शनिवार, 18 जुलाई 2020　　02

आज शिक्षा का बाजारीकरण हो चुका है एवं गूगल गुरु बन गया है, ऐसे में भारतीय शिक्षा की प्राचीन पद्धति को पुनः जागृत करने की जरूरतः अग्निहोत्री

पब्लिक मंच, डबवाली

गुरु नानक कॉलेज किलियांवाली में गुरु तेग बहादुर जी के 400 वर्षीय प्रकाशपर्व को समर्पित वेबीनारों की श्रृंखला में कालेज प्रधानाचार्य डॉ. सुरिन्दर सिंह ठाकुर के कुशल दिशा - निर्देशन में भारतीय शिक्षण मंडल के सहयोग से कालेज आई . क्यू.ए.सी . द्वारा नौवें राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया

जिसका विषय वस्तु -आधुनिकता के दौर में गुरु शिष्य परंपरा रखा गया। इस वेबीनार में डॉ अंगद सिंह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भारतीय शिक्षण मंडल ने मुख्य अतिथि के तौर पर, डॉ.ओ पी.सिंह सहसचिव भारतीय शिक्षण मंडल ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर, वरिष्ट शिक्षाविद् डॉ. आर . सी . अग्निहोत्री ने बीज वक्ता के तौर पर शिरकत की । गूगल मीट पर चले इस वेबीनार के रिसोर्स पर्सन प्रो दविन्द्र सिंह, संयोजक, बी एस एम पंजाब, डॉ . संजीव दुग्गल, सह-संयोजक बी एस एम पंजाब व श्री दयानिधि थे।

वेबीनार का आरंभ करते हुए कालेज आई क्यू ए सी कॉर्डिनेटर व वेबीनार संयोजक डॉ. भारत भूषण ने बी एस एम के ध्येय वाक्य- राष्ट्रीय पुनः उत्थान के लिए भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा को उच्चारित करते हुए वेबीनार के टॉपिक पर संक्षिप्त रोशनी डाली।

कार्यक्रम के आरंभ में कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मेजर भूपेंद्र सिंह ढिल्लों ने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली में गिरावट के कारण आजकल शिक्षा की प्रासंगिकता व आदर दांव पर लग रहा है। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. सुरिन्दर सिंह ठाकुर ने सभी उपस्थित मेहमानों का स्वागत किया।

उन्होंने सरकार द्वारा इस वर्ष मनाए जा रहे गुरु तेग बहादुर जी के 400 वर्षीय प्रकाश पर्व को समर्पित आज के नौवें वेबीनार के बारे में बोलते हुए कहा कि प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति में गुरु शिष्य में आपसी आदर व समर्पण भाव था पर आज गुरु केवल शिक्षक बन कर रह गया है व वह केवल बच्चों को किताबी ज्ञान देने तक सीमित हो गया है, विद्यार्थी भी इससे अपना भौतिक व आर्थिक विकास तो चाहे कर पाता है पर आध्यात्मिक ज्ञान से वंचित रह जाता है। संयोजक बी . एस . एम .प्रो . दविन्द्र सिंह ने उपस्थित महानुभावों का परिचय सभी के सामने प्रस्तुत किया। उन्होंने इस बात पर चिंता प्रकट की कि आज के कॉरपोरेट जगत में हमारी स्थापित भारतीय शिक्षा पद्धति कहीं खो गई है,1969 से स्थापित हमारी बी एस एम पिछले कई दशकों से इसकी विकृतियां दूर करने में लगी है। हमने अपने आपमें खुद को ही ढूंढना है।

कुंजीवत वक्ता डॉ. आर सी अग्निहोत्री ने अपने वक्तव्य का आरंभ करते हुए भारतीय शिक्षा के ऐतिहासिक परिदृश्य, वैदिक कालीन गुरुकुल शिक्षा पद्धति, वर्तमान गुरु शिष्य परंपरा व इसके पुनः स्थापन के पक्षों को विस्तारपूर्वक छुआ। हमारी शिक्षा पद्धति अनादिकाल से एक कल्प - वृक्ष के समान फलदायी, स्थापित व प्रचलित रही जिसके कारण तक्षशिला व नालंदा जैसे हमारे पुरातन शिक्षा संस्थानों में समस्त विश्व से विद्यार्थी पढने के लिए आते थे । वैदिक काल से महाभारत काल तक यह विकसित व प्रचलित रही पर तत्पश्चात इसका खंडन शुरु हो गया । 1835 में लार्ड मैकाले की शिक्षा प्रणाली ने इसे पूरी तरह ध्वस्त कर दिया क्यों कि इसके बिना वे हमारे देश पर दीर्घकालिक शासन स्थापित नहीं कर सकते थे । इसने विद्या को शिक्षा में बदल दिया एवं इससे आध्यात्मिक व मानव निर्माण पक्ष लुप्त होता गया । शिक्षण -प्रशिक्षण तो पशुओं को भी दिया जा सकता है परंतु मानव विद्या के बिना पशु समान ही है । विद्यार्थी पहले शिष्य हुआ करते थे अब छात्र बनकर रह गए हैं । गुरु शिष्य के बीच जो समर्पण, श्रद्धा और प्रेम संबंध थे उनका लगातार ह्रास हो रहा है । आज शिक्षा का बाजारीकरण हो चुका है एवं गूगल गुरु बन गया है, इसलिए भारतीय शिक्षा की प्राचीन पद्धति को पुनः जागृत करने की जरूरत है । सह महासचिव श्री ओपी सिंह ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि संगीत और नृत्य में तो आज भी भारत की महान व समृद्ध गुरु शिष्य परंपरा की झलक देखने को मिलती है । गुरु के सानिध्य में ही शिष्य का सर्वांगीण विकास हो सकता है, इसलिए इस मेरुदंड को पुनः स्थापित करने की जरूरत है । राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ अंगद सिंह ने मैकाले के षड्यंत्र पर रोशनी डालते हुए जोर देकर कहा कि पुराने समय में भी हम अपनी समृद्ध शिक्षा प्रणाली के कारण ही विश्व गुरु थे और भविष्य में भी इसी के कारण जगतगुरु दोबारा बनेंगे ।

सह संयोजक संजीव दुग्गल ने बताया कि व्यास पूजा के जरिए बीएसएम ने गुरु शिष्य परंपरा को दोबारा स्थापित करने का सफल प्रयास किया है । 40 मुक्तों की धरती श्री मुक्तसर साहिब में स्थापित गुरु नानक के नाम का यह कॉलेज इस प्रयोजन के लिए साधुवाद का पात्र है ।अंग्रेजों को गए अब 7 दशक से अधिक हो गए हैं, हमें अपनी गुरुकुल शिक्षा पद्धति को कारगर बनाने के लिए स्वयं प्रयास करने होंगे।

इसके पश्चात कॉलेज प्रबंधन समिति के सचिव नीरज जिंदल ने विचार प्रकट करते हुए कहा कि गुरु शिष्य संबंध पर आंकलन करना वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत बन गई है ।

वेबीनार के अंत में कालेज आई.क्यू.ए.सी. कार्डिनेटर डॉ. भारत भूषण ने उपस्थित हुए सभी अतिथियों का तहेदिल से धन्यवाद किया।

तत्पश्चात डॉ. पायल सिंगला द्वारा शांति पाठ करके कार्यक्रम का विधिवत समापन किया गया। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए आयोजन समिति ने तकनीकी सहयोग के लिए टैक्निकल टीम सदस्यों का विशेष तौर पर धन्यवाद किया । इस राष्ट्रीय वेबीनार में लगभग 437 प्रतिभागियों ने गूगल मीट व फेसबुक लाईव के जरिए हिस्सा लिया।

मोंगा कम्प्युटर्स एंड स्टेशनरी

मेन बाजार, नजदीक रेलवे फाटक, मंडी डबवाली(सिरसा)

Principal
Guru Nanak College
Killianwali (Sri Muktsar Sahib)

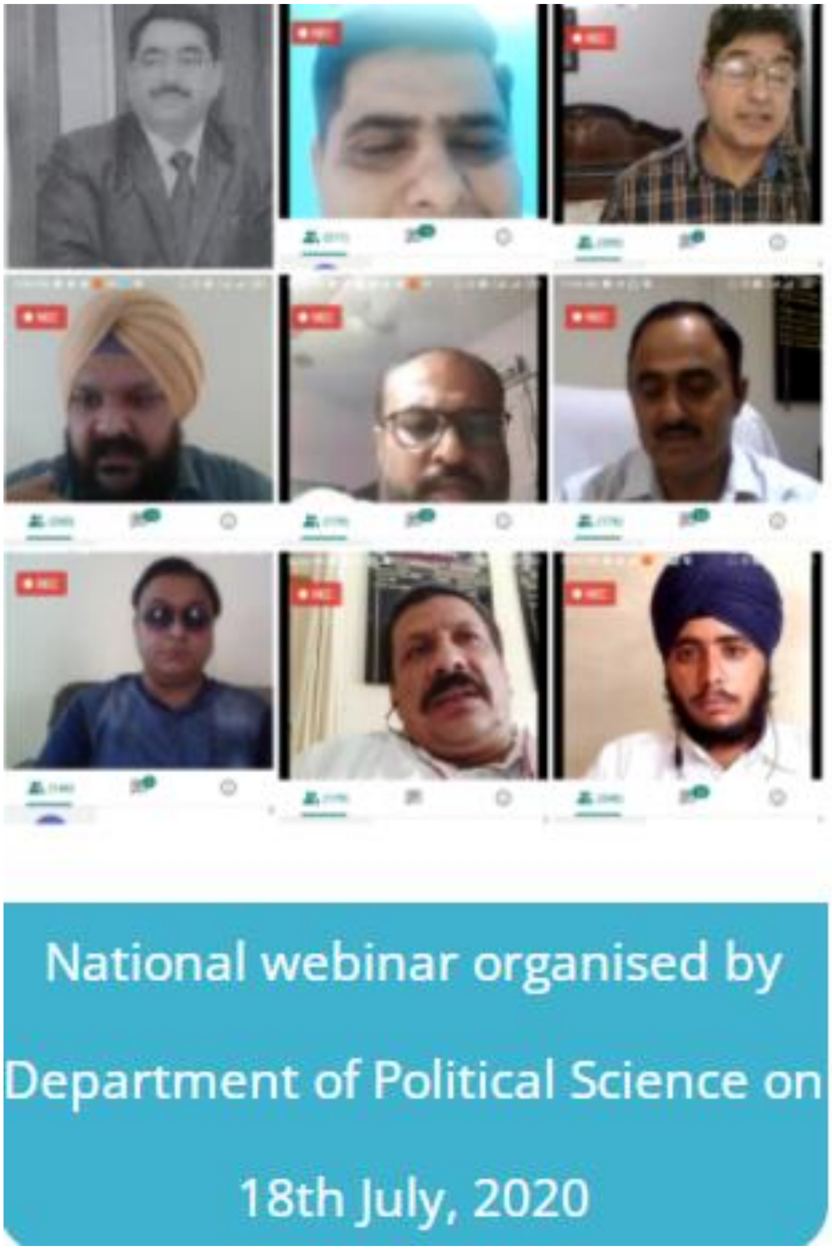
National webinar organised by
Department of Political Science on
18th July, 2020

कोविड-19: बदलता अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य विषय पर वेबीनार का आयोजन

पल पल न्यूज: डबवाली, 18 जुलाई (अशोक सेठी)। गुरु नानक कॉलेज किलियांवाली में राजनीति शास्त्र विभाग की थिंकर्स

सोसायटी द्वारा कालेज प्रधानाचार्य डॉ. सुरिंदर सिंह ठाकुर के कुशल दिशा - निर्देशन में कालेज आई . क्यूएसी . के सहयोग से गुरु तेग बहादुर के 400 वर्षीय प्रकाशपर्व को समर्पित वेबीनारों की श्रृंखला में दसवें राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया जिसका विषय वस्तु था कोविड-19: बदलता अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य। इस वेबीनार में पंजाब यूनिवर्सिटी कांस्टीट्यूएंट कॉलेज, गुरुहरसहाय (फिरोजपुर) के प्रिंसिपल एवं फेलो डॉ .एनआर शर्मा ने मुख्य अतिथि के तौर पर, पंजाब विश्वविद्यालय के फेलो डॉ. विपुल शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर, दोआबा कालेज जालंधर के स्नातकोत्तर राजनीति शास्त्र विभागाध्यक्ष एवं ऐसोसिएट प्रो .डॉ. राजन शर्मा ने कुंजीवत्त वक्ता के तौर पर शिरकत की । गूगल मीट पर चले इस वेबीनार के रिसोर्स पर्सन ओ पी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के रिसर्च एनालिसिस्ट डिप्लोमेटिक प्रेक्टिस त्रिदिवेश सिंह मैनी एवं लाला लाजपत राय डी ए वी कालेज, जगराओं के राजनीतिक शास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर वरुण गोयल थे । राजनीति शास्त्र विभाग अध्यक्ष प्रो. अमित बहल ने मुख्यातिथि, विशिष्ट अतिथि, कुंजीवत वक्ता का एवं थिंकर सोसाइटी के पदाधिकारी छात्र वरुणदीप सिंह ने रिसोर्स पर्सन का परिचय सभी के सामने प्रस्तुत किया। वेबीनार संयोजक प्रो . बहल ने वेबीनार के टॉपिक पर संक्षिप्त रोशनी डाली।

Principal
Guru Nanak College
Killianwali (Sri Muktsar Sahib)

2. Renovation Bill

CASH / CREDIT MEMO

(S) ~~2236958~~
(R) ~~2276670~~
(M) 98154-98848

Shri Kaglidhar Agriculture Works

Manufacturers of : FANCY GATE & GRILL
Opp. Ganesha Basti, Goniana Road, BATHINDA-151001

Bill No. 405 Dated 29/03/021

Name Shri Guru Nanak College, Killian wali

Qty.	PARTICULARS	RATE	AMOUNT Rs.	P.
	Gate Total 20 ft 750 Kg MS. Material 644.	110	70840	
	Stainless Steel 106 Kg 106 Kg	450/- P/Kg	47700	
			118540	
	Carriage	—	2800	
	Total :-		121340	

Baldev Singh

Pass 121000

E. & O. E.

Signatur